

श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन सभा, कलकत्ता हीरकजयन्ती संगोष्ठी ग्रन्थ  
(फोल्डर नं. ९२०५२)

- सम्पादक -

डॉ. सागरमल जैन

डॉ. अशोक कुमार सिंह

मुख्य टाइटल

प्रकाशकीय

विषयानुक्रमणिका

अर्धमागधी आगम साहित्य-एक विमर्श - सागरमल जैन -----	१
जैन आगम और आगमिक व्याख्या साहित्य-एक अध्ययन - सुदर्शन लाल जैन -----	३८
निर्युक्ति साहित्य-एक परिचय - श्री प्रकाश पाण्डेय -----	४८
मूलाचार में वर्णित आचार नियम-श्वेताम्बर आगम साहित्य के परिप्रेक्ष्य में - अरुण प्रताप सिंह -----	६०
हिन्दी मरु-गुर्जर सजैन साहित्य का महत्त्व और मूल्य - शीतिकण्ठ मिश्र-----	७०
हिन्दी जैन पत्रकारिता का इतिहास एवं मूल्य - संजीव भानावत -----	८२
अनेकान्त, अहिंसा तथा अपरिग्रह की अवधारणाओं का मूल्यांकन-आधुनिक विश्व समस्याओं के सन्दर्भ में - वशिष्ठ नारायण सिन्हा -----	९७
प्राचीन जैन ग्रन्थों में कर्मसिद्धान्त का विकासक्रम - अशोक कुमार सिंह-----	१०१
श्वेताम्बर सम्प्रदाय के गच्छों का सामान्य परिचय - शिवप्रसाद -----	११४
दिगम्बर जैन परम्परा में संघ, गण, गच्छ, कुल और अन्वय -----	१३२
जैनधर्म में अमूर्तिपूजक सम्प्रदायों का उद्भव एवं इतिहास - नरेन्द्र भानावत -----	१४१
श्रावकाचार का मूल्यात्मक विवेचन - सुभाष कोठारी -----	१५१
Contribution of Jainism to Indian History - A K. Chatterjee -----	157
Jahangir and Non-Violence - R. N. Mehata -----	164